SURYA FOUNDATION

सूर्या फाउण्डेशन

मासिक पत्रिका

जुलाई – 2024

शिक्षा स्वास्थ्य पर्यावरण स्वावलंबन समरसता

संदेश...

पद्मश्री
जयप्रकाश अग्रवाल
चेयरमैन - सूर्या फाउण्डेशन

ग्राम विकास से देश विकास के मॉडल को सामने रखकर आप सभी एक ऐसा गाँव बनाने का प्रयास कर रहे हैं, जहाँ सभी ग्रामीण शिक्षित हों, स्वस्थ हों, निरोगी हों, हर हाथ को काम, हर खेत को पानी हो, आपस में मिलकर रहें, पूरा गाँव स्वच्छ हो, नशामुक्त हो, गाँव के सभी किसान समृद्ध व खुशहाल हों। आप सभी ने पर्यावरण दिवस पर इकोब्रिक्स के माध्यम से प्लास्टिक मुक्त भारत अभियान चलाकर लोगों को जागरुक किया। आप सब को बहुत-बहुत बधाई।

पिछले कई वर्षों से सूर्या फाउण्डेशन जल संरक्षण के लिए नये तालाबों का निर्माण, गहरीकरण, मेड़बंदी, डबरी निर्माण, सोख्ता गड्ढा निर्माण, वाटर टैंक निर्माण एवं जंगल को बचाने फलदार, छायादार, औषधीय पौधों की रोपाई व रखरखाव करने का महाभियान चला रहा है। इस पुनीत कार्य में हम सबका अधिक से अधिक सहभाग हो एवं अधिक से अधिक ग्रामवासी इस कार्यक्रम में भाग लेकर पर्यावरण संरक्षण में अपना योगदान दें, हमें यही प्रयत्न करना है। " पर्यावरण की रक्षा दुनियाँ की सुरक्षा" इस वाक्य को चरितार्थ करने के लिए आप पूरे मनोयोग से इस काम को पूरा करेंगे, ऐसा हमारा विश्वास है।

जल संरक्षण

सूर्या फाउण्डेशन देशभर में जल संरक्षण अभियान चला रहा है जिसके अन्तर्गत तालाब गहरीकरण से लेकर बूंद-बूंद टपकने वाले पानी को बचाने के लिए कार्य किया जा रहा है। तालाब गहरीकरण, मेड़बंदी, वाटर हार्वेस्टिंग, क्षतिग्रस्त नलों/कुओं की मरम्मत एवं पानी का भण्डारण कार्य, एनीकट बांध, खेतों में डबरी बनाने का कार्य, छतों के पानी बचाने का कार्य किया जा रहा है। इसके साथ-साथ जन-जागरण के लिए बच्चों द्वारा रैली, ग्रामीणों के बीच गोष्ठी का आयोजन, जन सामान्य के बीच संकल्प कराना, चित्रकला प्रतियोगिता एवं जल संरक्षण के क्षेत्र में काम करने वाले लोगो का सम्मान कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं जिससे लोगों में जागरुकता आए और ज्यादा से ज्यादा जल को बर्बाद होने से बचाया जा सके।

मध्य प्रदेश

काशी (उ.प्र.)

हिन्दूपुर (आन्ध्र प्रदेश)

स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को मिल रहा बैंको से आर्थिक सहयोग

बहादुरगढ़ (हरियाणा) सर्व ग्रामीण बैंक की ब्रांच मैनेजर श्रीमती निधि और उनके स्टाफ के द्वारा सूर्या फाउण्डेशन द्वारा संचालित स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के द्वारा बनाए जा रहे प्रोडक्ट अचार, फिनाइल, हैंडीक्राफ्ट, जूट के थैले आदि का निरीक्षण किया। बैंक के द्वारा समूह की महिलाओं को रोजगार करने के लिए 5 लाख का चेक पर 10% की छूट और 3 साल तक कोई ब्याज नहीं देने का प्रावधान रखा है। ब्रांच मैनेजर के द्वारा महिलाओं द्वारा किए जा रहे कार्य को बहुत सराहनीय कार्य बताया और उन्होंने बैंक की ओर से उचित सहयोग की बात कही।

समूह को मिला रोजगार

सूर्या सिलाई कौशल केंद्र, सिंगवारी (मध्य प्रदेश) के लिए ***ग्वालियर मार्केट से एक हजार लोवर बनाने का कार्य मिला है।*** इस कार्य में 10 महिलाएँ व बहनें जुड़ी हैं। जिन्हें आर्थिक मजबूती मिलेगी।

स्टॉल लगाकर उत्पादों की बिक्री

ग्राम तिलोरी, मालनपुर (मध्य प्रदेश) में स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा स्टॉल लगाकर उत्पादों की बिक्री की जा रही है। यह स्टॉल मालनपुर के आसपास की प्लांटो और मार्केट में हर माह लगाया जाता है। इससे प्रतिमाह 2-3 हजार रुपये की आमदनी होती है।

हर घर पोषण वाटिका अभियान

10 राज्य
70 कार्ययुक्त गाँव
3000 परिवार
15000 लोग लाभान्वित होंगे

हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 10 राज्यों के 70 कार्ययुक्त गाँव में 3000 परिवारों में पोषण वाटिका तैयार करने का लक्ष्य लिया गया है। जिसमें वर्तमान समय में सभी परिवारों को सब्जियों के बीज वितरण किया जा रहा है। वर्तमान समय में रासायनिक सब्जियों के नियमित सेवन से स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है। परिणाम स्वरुप लोगों को ब्लड प्रेशर, हृदय रोग, शुगर, मोटापा, कैंसर आदि गंभीर बीमारियों का सामना करना पड़ रहा है।

इन्हीं गंभीर समस्या को ध्यान में रखते हुए संस्था ने देशभर में जैविक तरीके से सब्जी उत्पादन के लिए पोषण वाटिका तैयार करवाने का लक्ष्य लिया है घरों में बनने वाली पोषण वाटिका अच्छे स्वास्थ्य का एक उत्तम माध्यम है जिसमें जैविक सब्जियों का उत्पादन किया जाता है और घरों में अच्छी गुणवत्ता वाली सब्जी का उपयोग किया जाता है। इससे परिवारों के सदस्यों का स्वास्थ्य सुधार हो रहा है। इस योजना के अंतर्गत कम आय वाले लोग जो सब्जी खरीदने में सक्षम नहीं है उनको भी सीधा लाभ मिल रहा है। अपने घर पर ही वाटिका बनाकर सब्जियों का उत्पादन कर रहे हैं। राष्ट्रीय बीज अनुसंधान पूसा संस्थान दिल्ली द्वारा प्राप्त लौकी, भिंडी, तोरई, पालक, चौलाई, बैगन, टमाटर, खीरा धनिया, मिर्च, कद्दू आदि की अच्छी गुणवत्ता वाले बीच परिवारों में निशुल्क उपलब्ध कराया जा रहा है। बीज वितरण कार्यक्रम में उत्तम तरीके से की जाने वाली उत्पादन की विधि का प्रशिक्षण के साथ-साथ बीजों का संरक्षण अधिक से अधिक हो इसकी जानकारी भी दी जा रही है।

कानपुर (उत्तर प्रदेश)

मध्य प्रदेश

गुजरात

हिन्दूपुर (आन्ध्र प्रदेश)

छत्तीसगढ़

मथुरा (उत्तर प्रदेश)

हरियाणा

अवध (उत्तर प्रदेश)

काशी (उत्तर प्रदेश)

वृक्षारोपण महाअभियान

संस्था के द्वारा देशभर के 17 राज्यों के 374 गाँवों में 550 पर्यावरण मित्रों द्वारा वृक्षारोपण अभियान चलाया जा रहा है, जिसके तहत 30 स्थानों में 3000 सामूहिक वृक्ष वाटिकाओं का निर्माण करने जा रहा है, एक पेड़ माँ के नाम पर 550 शिक्षकों के द्वारा आँवला का पेड़ रक्षाबंधन में परिवारों के द्वारा रक्षासूत्र बांधकर उसकी रक्षा और संकल्प करके लगाया जा रहा है एवं गाँव के किसानों को आग्रह करके उनके द्वारा फलदार, छायादार व औषधीय पेड़ों का वृक्षारोपण किया जा रहा है, साथ ही सूर्या फाउण्डेशन इस पुनीत कार्य के लिए सभी देश वासियों से आग्रह करता है कि अपने घर, परिवार, गाँवों में पेड़ लगाकर भविष्य में आने वाली समस्याओं से निजात पाने के लिए सहयोग करें।

गुजरात, भुवड़ के आसपास के गाँवों में वन विभाग गुजरात राज्य के सहयोग से 'वृक्ष रथ' का आयोजन किया गया था। जिसमें 8 गाँवों में वृक्ष रथ के माध्यम से 4100 पौधों का वितरण किया गया। यह पौधे सूर्या फाउण्डेशन के शिक्षक, सेवाभावी, युवा, माताएँ बहनें एवं बच्चों के माध्यम से गाँव के प्रवेश द्वार, मंदिर, स्कूल, सामूहिक भवन, गौशाला इत्यादि स्थानों पर लगाये जा रहे हैं।

हरियाणा (बहादुरगढ़) के नयागाँव गाँव में स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को अमरूद, जामुन, अनार, बेलपत्र, आँवला के 60 पौधें वितरण किये गये।

काशी (उत्तर प्रदेश)

दिल्ली

ओड़िसा

आदर्श गाँव नांदियाकल्ला, जोधपुर (राजस्थान) में सामूहिक वृक्षारोपण के अन्तर्गत गुरु पूर्णिमा के पावन पर्व पर 151 पौधे लगाये गये।

राजस्थान

(पश्चिम बंगाल)

नशामुक्ति अभियान

पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग क्षेत्र में लगभग 150 गाँव में सेवा कार्य चल रहे हैं। हम सब जानते हैं पूर्वोत्तर भारत को जोड़ने वाला एकमात्र शहर सिलीगुड़ी है और इस रास्ते पर लाखों गाड़ियां रोज आती जाती है हाईवे पर देखा जाता है कि ड्राइवर नशा कर गाड़ी चलाते हैं, जिसके कारण आए दिन हादसा होता रहता है इसी समस्या का समाधान करने के लिए सूर्या फाउण्डेशन ने संकल्प लिया है कि नशामुक्ति रैली, छोटे-छोटे नाटकों के माध्यम से गाँव के लोगों को जागरूक किया जाये। नशा छोड़ो परिवार को जोड़ो स्लोगन के साथ हमने कार्य प्रारंभ किया इस अभियान में सबसे ज्यादा सहयोग माता एवं बहनों का मिल रहा है।

हम सब जानते हैं कि परिवार में यदि कोई व्यक्ति नशा करता है तो परिवार के ऊपर एक काल की तरह राहुकाल मंडराता रहता है जिसके कारण अनेक परिवार में प्रत्येक दिन अपने घर पर झगड़ा व अशांति ही अशांति होती है, जिससे परिवार में बच्चों पर बहुत बुरा असर पड़ता है। सभी ग्रामवासियों का दायित्व है कि अपने-अपने ग्राम में हर व्यक्ति नशा मुक्त हो व पूरा परिवार संस्कारित बने। इसी लक्ष्य को लेकर गाँव-गाँव में नशामुक्ति रैली के माध्यम से लोगों को जागरुक किया जा रहा है।

परिवार मिलन शिविर

सूर्या फाउण्डेशन के पूर्णकालिक कार्यकर्ताओं का जुलाई माह में पाँच दिवसीय (6-10 जुलाई) परिवार मिलन शिविर का आयोजन किया गया, उद्घाटन सत्र में संस्था के वाइस चेयरमैन आ. वेद जी का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। परिवार मिलन शिविर में 30 परिवारों के 105 पुरुष, महिलाएँ तथा बच्चे सम्मिलित हुए।

संस्था के चेयरमैन पद्मश्री जय प्रकाश अग्रवाल जी ने कहा कि परिवार समाज का महत्वपूर्ण अंग है अच्छे परिवार से अच्छे समाज का निर्माण होता है। इसके लिए जरूरी है कि हम समय-समय पर लोगों को आपस में मेलजोल बढ़ाने के लिए ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन करते रहे। इस परिवार मिलन शिविर का आयोजन भी इसी उद्देश्य से किया गया।

भारत यात्रा में सूर्या साधना स्थली झिंझौली हरियाणा से वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर, माँ अन्नपूर्णा मंदिर, गंगा आरती, गंगा स्नान, काल भैरव मंदिर का भव्य दर्शन किया। रात्रि विश्राम वाराणसी में करके अगले दिन सुबह बस द्वारा अयोध्या गए, अयोध्या से 18 किलोमीटर पहले नंदीग्राम में स्थित भरत कुण्ड और भरत मन्दिर का दर्शन किये। अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर के साथ-साथ हनुमान गढ़ी के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। सरयू स्नान, कनक महल, दशरथ महल, गुप्तार घाट आदि स्थानों का दर्शन कर महत्व को समझा साथ ही श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महासचिव आ. चम्पत राय जी का मार्गदर्शन भी सभी परिवारों को मिला।

फायर सेफ्टी जागरूकता कैम्प

द्वारा ग्राम तिलोरी (मालनपुर) मध्य प्रदेश में फायर सेफ्टी शिविर का आयोजन किया गया। गाँव की महिलाओं में जागरूकता के अभाव में गैस सिलेंडर से आग लगने की कई घटनाएँ सामने आती हैं। ग्रामीण लोगों को घटनाओं से निपटने में सहायता मिले। कार्यक्रम में आये मुख्य अतिथि राज नारायण शर्मा (पुलिस फायर स्टेशन मालनपुर) ने बताया कि घरों में सार्ट सर्किट से आग लगने की घटनाएँ होती हैं जिससे बचने के लिए बिजली उपकरण लगाते समय अच्छी गुणवत्ता की बिजली सामग्री का ही उपयोग करना चाहिए साथ ही महिलाओं के गैस चूल्हे के उपयोग के समय गैस के रेगुलेटर की सावधानियाँ, महिलाओं को बताया कि गैस सिलेंडर में आग लगने की स्थिति में क्या-क्या उपाय करना चाहिए। ***कार्यक्रम में महिला स्वयं सहायता समूहों की 100 महिलाएँ एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।***

नेत्र चिकित्सा शिविर

सूर्या साधना स्थली झिंझोली (हरियाणा) में सूर्या फाउण्डेशन तथा एम्स दिल्ली की टीम के संयुक्त तत्वावधान में नेत्र जाँच व उपचार शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें कुल ***280 महिलाओं व पुरुषों*** ने आँखों की नि:शुल्क जाँच करवाकर दवा प्राप्त की। इसमें 120 महिलाओं व पुरुषों के चश्मे बनवाकर दिए गये। जाँच के दौरान मोतियाबिंद या आँखों की गंभीर बीमारियों से पीड़ित मरीजों को 7 अगस्त को एम्स दिल्ली के डॉक्टरों द्वारा नि:शुल्क ऑपरेशन किया गया। इस नेत्र चिकित्सा शिविर के दौरान एम्स के सीनियर डॉक्टर अमित भारद्वाज, डॉ. आंचल व उनके साथ 13 डाक्टर्स की टीम व संस्था की टीम ने मिलकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

समाचार पत्रों में कार्यक्रम की झलकियाँ...

सूर्या फाउंडेशन ने किया वृक्षारोपण

काशीपुर 18 जुलाई (मंटा संवाददाता)। सूर्या फाउंडेशन के आदर्श गांव योजना के अंतर्गत उत्तराखंड क्षेत्र के ग्राम हरियावाला स्थित सूर्या रोशनी लिमिटेड में वृक्षारोपण किया गया। इस दौरान सूर्या रोशनी के प्लांट हेड शुभम चमोली ने अधिक से अधिक पेड़ लगाने का आग्रह करते उन्होंने बताया कि पेड़ों का हमारे जीवन में क्या महत्व है, पेड़ों के बिना जीवन संभव नहीं है। ग्लोबल वार्मिंग को देखते हुए हमें पर्यावरण संरक्षण हेतु अधिक से अधिक पेड़ लगाने चाहिए और लोगों को इसके लिए जागरूक करना चाहिए। कार्यक्रम में आशुतोष मिश्रा, विनय शर्मा, राहुल पांडे, हिमांशु, बाबूराम मनोज, नन्हे, गगन, दीपांशु, हरेंद्र आदि लोग उपस्थित रहे।

सूर्या फाउंडेशन ने किया निःशुल्क नेत्र जांच एवं उपचार शिविर का आयोजन

खरखौदा। सूर्या साधना स्थली झिंझोली में सूर्या फाउंडेशन तथा एम्स दिल्ली की टीम के संयुक्त तत्वाधान में नेत्र जांच व उपचार शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 280 महिलाओं व पुरुषों ने आंखों की जांच करवाकर दवा प्राप्त की। इसमें 120 महिला व पुरुषों के चश्मे बनवाकर उन्हें दिए जाएंगे। जांच के दौरान मोतियाबिंद या आंखों की गंभीर बीमारियों से पीड़ित मरीजों को 7 अगस्त को एम्स के डॉक्टरों द्वारा निशुल्क ऑपरेशन करके उचित उपचार किया जाएगा। इस नेत्र चिकित्सा शिविर के दौरान एम्स के सीनियर डॉक्टर अमित भारद्वाज, डॉ.अंचल व उनके साथ 13 डॉक्टर्स की टीम व सूर्या ... – कामेश्वर दलाई, निशांत अग्रवाल, प्रशिक्षण ... प्रभारी भँवर सिंह मथुर, रमेश सैनी ने ... बनाया।

सूर्या फाउंडेशन देशभर में तीन हजार परिवारों में बनवा रहा पोषण वाटिका

कालवाड़ टाइम्स

निमेड़ा /मुन्ना चौधरी देशभर में ग्राम विकास के क्षेत्र में काम करने के लिए जानी-मानी संस्था सूर्या फाउंडेशन पिछले 30 वर्षों से सेवा के कार्यों को करती आई है, समय-समय पर आवश्यकता और मांग को देखते हुए संस्था ने अपनी कार्यशैली में बदलाव भी किए हैं। सूर्या फाउंडेशन गांवों में शिक्षा, स्वास्थ्य, समरसता, स्वावलंबन, पर्यावरण के लिए अनेकों अभियान चलाता है जिससे समाज को प्रत्यक्ष रूप से लाभ मिलता है। वर्तमान में सब्जियों के उत्पादन में रासायनिक खादों एवं कीट नाशकों का ज्यादा प्रयोग होने के कारण लोगों को रासायनिक सब्जियों का सेवन करना पड़ता है, रासायनिक सब्जियों के नियमित सेवन से स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है, परिणाम स्वरूप लोगों को कैंसर, हृदय रोग, शुगर, मोटापा, कैंसर आदि गंभीर बीमारियों का सामना करना पड़ रहा है। इसी गंभीर समस्या को ध्यान में रखते हुए संस्था ने देशभर में जैविक तरीके से सब्जी उत्पादन के लिए पोषण वाटिका तैयार करवाने का लक्ष्य लिया है, घरों में बनने वाली पोषण वाटिका अच्छे स्वास्थ्य का एक उत्तम माध्यम है जिसमें जैविक सब्जियों का उत्पादन किया जाता है और घरों में अच्छी गुणवत्ता वाली रासायनमुक्त सब्जी का प्रयोग किया जाता है। जिससे परिवारों के सदस्यों में स्वास्थ्य सुधार हो रहा है। इस योजना के अंतर्गत काम आने वाले लोग जो सब्जी खरीदने में सक्षम नहीं है उनको भी सीधा लाभ मिल रहा है अपने घर पर ही वाटिका बनाकर सब्जियों का उत्पादन कर रहे हैं।

3000 परिवारों के 15000 लोगों को मिलेगा लाभ

संस्था इस अभियान को पिछले 4 वर्षों से लगातार चला रही है जिसमें राष्ट्रीय बीज अनुसंधान संस्थान दिल्ली द्वारा प्राप्त लौकी, भिंडी, तोरई, पालक, चौलाई, बैंगन, टमाटर, खीरा, धनिया, मिर्च, कद्दू आदि के अच्छी गुणवत्ता वाले बीज परिवारों में निःशुल्क उपलब्ध करवाया जा रहा है। इस वर्ष उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, गुजरात, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक राज्यों के 70 गांवों में 3000 से अधिक परिवारों द्वारा वाटिका का निर्माण करवाया जाएगा। इसके अंतर्गत जैविक तरीके से की जाने वाली उत्पादन की विधि का प्रशिक्षण के साथ-साथ बीजों का संरक्षण अधिक से अधिक हो इसकी जानकारी भी दी जा रही है। 3000 परिवारों से लगभग 15000 लोगों को जैविक सब्जियां का लाभ मिलेगा जिससे उनके स्वास्थ्य में सुधार होगा।

जल संरक्षण पर संगोष्ठी का आयोजन

कालवाड़ टाइम्स

निमेड़ा/मुन्ना चौधरी। सूर्या फाउण्डेशन आदर्श गांव योजना प्रकल्प के तहत देशभर में जारी जल संरक्षण अभियान के तहत जयपुर के निमेड़ा गांव के ऐतिहासिक नकटी माता मंदिर में जल संरक्षण के विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया।संगोष्ठी में जल संरक्षण की महत्ता व वृक्षारोपण की उपयुक्तता के बारे में युवाओं को बताया गया।संगोष्ठी में विवेकानंद नवयुवक मंडल, निमेड़ा के वरिष्ठ सदस्य विनोद सेन,पूर्व अध्यक्ष गोविंद सैन,सूर्या फाउण्डेशन जेएफसी सूरज सैन,विष्णु सैन,हरिकिशन योगी,लाइनमैन सुभाष शर्मा,राहुल सैन,दिनेश प्रजापत, संजय प्रजापत,कुलदीप वर्मा,योगेश वर्मा,श्याम सैन,नीरज टेलर,सुनील सैन,मनीष सैन,विकास जैन,अमित लिखाला,हर्ष जांगिड़,अरुण टेलर,अमन सैन समेत अन्य युवा उपस्थित रहे।

सूर्या फाउंडेशन द्वारा फायर सेफ्टी शिविर का आयोजन

सूर्या फाउंडेशन द्वारा वृक्षारोपण महाअभियान का हुआ शुभारंभ

हमारा समाचार

SURYA FOUNDATION

B-3/330, Paschim Vihar, New Delhi-110063

Tel. : +91-25261588, 25253681 | +91-9310214842

Email: contact@suryafoundation.org | www.suryafoundation.org